

योजना भरा जीवन

क) अतुल के पिताजी ने उसे इंजीनियरिंग में पढ़ते समय जेब खर्च के लिए तीन हजार मासिक राशि देने का वचन दिया था | अतुल के पिताजी सरकारी अधिकारी थे इसलिए वह उसे इतनी ही राशि दे सकते थे |

ख) अतुल पिताजी द्वारा दी गयी राशि से दूध , फल व मनोरंजन का सामान खरीदता था |

ग) अतुल जिस कमरे में रहता था , उसमें सुधाकर , निखिल और अमित भी रहते थे | अतुल उनके साथ घूमने फिरने इसलिए नहीं जाता था क्योंकि वह अपना अधिकतर पढ़ाई में लगता था |

घ) अतुल ने छात्रावास में रहते हुए पिताजी द्वारा दी गयी राशि से उसे व्यय करने की योजना बनाई –

* दूध और फलों का मासिक व्यय _ 1500 रुपये

* मनोरंजन पर मासिक व्यय _ 250 रुपये

* अन्य कार्यों पर मासिक व्यय _ 750 रुपये

यह थी अतुल की व्यय की योजना |

ड़) अमित ने जब अतुल से कहा कि यदि तुम्हारे पास पैसे कम हैं तो हम दे देंगे तब अतुल ने उत्तर दिया कि – " मुझे क्षमा करो | मैं आप लोगों के धन से मज़े नहीं करना चाहता | मेरे स्वाभिमान यही कहता है की मेरे पास जो कुछ है , मैं उसी से अपने को सुखि रखूँ | मैं न आप लोगों के साथ नहीं जा सकता | "

च) वार्षिक परीक्षा हुई तो अतुल अपनी कक्षा में प्रथम आया | निखिल और अमित जैसे छात्र अनुत्तीर्ण हो गए | हाँ , नरेश उत्तीर्ण हो गया , परन्तु उसके अंक अच्छे नहीं आए |

छ) अतुल को इंजीनियरिंग पास करने के पश्चात धक्के इसलिए नहीं खाने पड़े क्योंकि उसने अपना सारा समय योजनाबद्ध तरीके से चलाया था एवं पढ़ाई में प्रथम स्थान में उत्तीर्ण हुआ था |

ज) योजनापूर्ण कार्य करने से अतुल ने पढ़ाई – लिखाई , खेल – कूद और धन कमाने आदि सभी क्षेत्रों में सफलता अर्जित की थी |

झ) इस कहानी से हमें यह प्रेरणा मिलती है की यदि हम अपना जीवन योजनापूर्ण तरीके से चलाये तो हमें हर कार्य में सफलता मिलेगी |